

हिंदी का आधुनिक शिक्षा में महत्व का अध्ययन

Dr. Pushpa Antil, Associate Professor, Government College For Girls, Sector-14, Gurugram (Haryana)
Email-pushpaantil27@gmail.com

सारांश : शिक्षा में हिंदी भाषा का महत्व आज एक आवश्यक मुद्दा बन चुका है, क्योंकि आज के समय में लोग हिंदी की बजाय अंग्रेजी भाषा को ज्यादा अहमियत दे रहे हैं, जबकि हिंदी भाषा की महत्वता कई गुना अधिक है। हमारी भाषा पूरी दुनिया 50 करोड़ से भी अधिक लोगों के द्वारा बोली और समझी जाती है। यह भाषा भारतीय की पहचान है और इसके साथ ही यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों के लिए भी उपयोगी है। हमारी भाषा बहुत सरल और लचीली है, जिसे हर व्यक्ति समझ सकता है। हिंदी भाषा का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पारम्परिक, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के लिए भी बहुत सारे महत्व हैं, इसलिए आज पूरा विश्व हमारी भाषा को समझने की कोशिश कर रहा है।

शब्द संकेत : हिंदी, साहित्य, आधुनिक शिक्षा

परिचय: शिक्षा की शुरुआत हमारे जन्म के बाद से ही शुरू हो जाती है, जहाँ हमारे माता-पिता हमें व्यवहारिक शिक्षा देते हैं, यह शिक्षा की सबसे प्रथम सीढ़ी होती है, इसके बाद शिक्षा का अगला स्तर जिसमें हम स्कूल, कॉलेज में पढ़ना-लिखना सीखते हैं और बहुत सारा ज्ञान अर्जित करते हैं, जो हमें शिक्षित अथवा साक्षर बनाता है।

मनुष्य के जीवन में जितना महत्व भोजन, कपड़े, हवा और पानी का है, उससे कहीं अधिक महत्व शिक्षा का है। इसीलिए हमेशा ये ही कहा जाता है कि शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्व है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है। इंसान की बुद्धि का विकास भी शिक्षा अर्जित करने से ही होता है। केवल शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य अपने दिमाग का पूर्ण विकास कर सकता है। आप हमारे इस पेज से शिक्षा का महत्व पर निबंध (Shiksha Ka Mahatva Par Nibandh), शिक्षित होने के लाभ, शिक्षा का अधिकार आदि पढ़ सकते हैं।

वर्तमान युग में शिक्षा का महत्व बहुत आगे बढ़ गया है और लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब अगर हम अपना भविष्य बेहतर और उज्ज्वल बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए शिक्षा प्राप्त करना बहुत ही ज़रूरी है। शिक्षा के बिना हम अपने जीवन में कुछ भी अच्छा प्राप्त नहीं कर सकते हैं। यदि हम अपने जीवन में कुछ अच्छा और बड़ा करना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें शिक्षित होना होगा। जो व्यक्ति उच्च शिक्षा ग्रहण करता है, उस व्यक्ति का स्तर अपने परिवार, दोस्तों और समाज के सामने हमेशा ऊंचा रहता है। उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों की पहचान अपने आप ही अलग बनती चली जाती है।

शिक्षा का बदलता रूप

आज पूरी दुनिया में चीज़ें इतनी आधुनिक होती जा रही हैं कि जिन्हें सिर्फ शिक्षा के दम पर ही समझा जा सकता है। तकनीक से जुड़ी चीज़ों को सीखने और समझने के लिए शिक्षा की भूमिका सबसे अहम है। जैसे-जैसे समय बदलता जा रहा है उसके साथ शिक्षा का तंत्र भी पूरी तरह से बदल रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ट्यूशन में होने वाली पढ़ाई अब मोबाइल पर ऑनलाइन क्लास के रूप में हो रही है। अब हम पढ़ाई करने के साथ-साथ अपनी आय के स्रोत भी तलाश सकते हैं। विश्व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इतना आगे बढ़ चुका है कि अब हम अपने मोबाइल, टेबलेट, लेपटॉप, कम्प्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से भी बिना किसी रुकावट के आसानी से पढ़ाई कर सकते हैं।

शिक्षा की ज़रूरत

शिक्षा की ज़रूरत किसी एक धर्म, जाति, वर्ग या समुदाय के लोगों को नहीं बल्कि सभी को है। शिक्षा की जितनी ज़रूरत आज एक पुरुष को है, तो उतनी ज़रूरत एक स्त्री को भी है। स्त्री और पुरुष दोनों को ही समान और स्वतंत्र रूप से शिक्षा ग्रहण करने के अवसर प्राप्त होने चाहिए। एक शिक्षित समाज का निर्माण स्त्री और पुरुष दोनों से मिलकर ही किया जा सकता है। एक पुरुष जब शिक्षित होता है, तो वह केवल एक परिवार या एक समाज का ही विकास करता है लेकिन अगर एक स्त्री शिक्षित होती है, तो वह एक नहीं बल्कि दो परिवार और दो समाज का विकास करने में मदद करती है।

शिक्षित होने के लाभ

हम सभी के लिए शिक्षा ही सफलता की कुंजी है, जो हमारे जीवन में कई नए अवसर लेकर आती है। शिक्षित होकर ही हम अपने जीवन में सबकुछ हासिल कर सकते हैं। शिक्षा के एक नहीं बल्कि कई फायदे हैं, जैसे- शिक्षा व्यक्ति की सोच और दिमाग को ऊपर उठा सकती है, शिक्षा ग्रहण करने से लोगों के सोचने का नज़रिया बदलता है, लोगों में चीज़ों को समझने की शक्ति विकसित होती है, लोगों के बात करने का तरीका बदलता है, लोगों में नई चीज़ों को जानने की उत्सुकता बढ़ती है, हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना है इसमें मदद मिलती है। ये शिक्षा के वो गुण और फायदे हैं जो हमारी सफलता में हमारा पूरा साथ देते हैं। इसके अलावा शिक्षा प्राप्त करने से अच्छा करियर बन सकता, समाज में एक अच्छा दर्जा मिल सकता है और खुद के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है। हम अपने जीवन में जितनी शिक्षा प्राप्त करते जाएंगे, उतने ही अच्छे अवसर हमें मिलते जाएंगे। शिक्षा से हमारे दिमाग का विकास होता है, हमारे विचार पुरुष होते हैं और दूसरों के प्रति हमारा चरित्र और व्यवहार भी मजबूत होता है।

शिक्षा में हिंदी का योगदान

आज हम शिक्षा में हिंदी भाषा के महत्व समझाने के लिए 14 सितंबर को हर बार हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। वर्तमान में हमारे प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी जी भी हिंदी भाषा को बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए हिंदी को भारत के हर शिक्षा क्षेत्र में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा हिंदी भाषा को सीखने के लिए एक लर्निंग इंडियन लैंग्वेज विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (लीला) मोबाइल ऐप तैयार किया गया है।

विश्वभर में करोड़ों लोग हमारी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और इससे हिंदी भाषा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर एक नयी पहचान मिली है। इसके अलावा यूनेस्को में भी सात भाषाओं में हिंदी को मान्यता दी गयी है। हमारी भाषा विचार और संस्कृति का सबसे अच्छा वाहक है, जो एकता को बढ़ावा देता है।

अगर हम शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी भाषा के महत्व को देखे तो हिंदी आज पूरी दुनिया में 175 से भी अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है और बड़े स्तर पर हिंदी भाषा में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें लिखी जा रही हैं। इसके अलावा हिंदी अब इंटरनेट की दुनिया में भी बहुत चुकी है, मतलब आज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी कंटेंट मिल रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी भाषा के अनेक महत्व मिलते हैं, जैसे –

- हिंदी में शिक्षा को हासिल करना आसान है।
- इसके कई संस्कृति राज सीखने को मिलते हैं।
- इसका उपयोग वैज्ञानिक खोज में भी किया जाता है।
- हिंदी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीनतम सभ्यता ज्ञान और आधुनिक विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक भाषा है।
- हिंदी संस्कृत का एक सरल रूप है, जिसके द्वारा हम ऐतिहासिक रहस्यों को पढ़ सकते हैं और एक अनोखी खोज की जा सकती है।
- वर्तमान में हिंदी भाषा विश्व की प्रभावी भाषा बन चुकी है, विदेशी लोग भी इसे पढ़ रहे हैं, ताकि वे आधुनिक प्रगति कर सकें, इसलिए हमें भी हिंदी भाषा में निपुण बनना होगा।
- इस भाषा का इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, जिसे जानना हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है।
- हिंदी भाषा में शिक्षित होना बहुत आवश्यक है, और इसके लिए हिंदी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक है।

निष्कर्ष : आधुनिक युग में शिक्षा का महत्व उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना एक पौधे को फलदार पेड़ बनाने के लिए मिट्टी और पानी का महत्व होता है। शिक्षा हमारे ज्ञान, कौशल के साथ हमारे व्यक्तित्व में भी सुधार करती है, तथा लोगों, समाज और देश के प्रति हमारा सकारात्मक दृष्टिकोण बनाती है। मुझे उमीद है कि अब तक आपको पता चल चुका होगा कि हिंदी भाषा हमारे भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है और इसके लिए हिंदी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक है। यदि हम अपने जीवन में उच्च शिक्षा ग्रहण करना

चाहते हैं, तो इसके लिए सबसे पहले हमें ज़्यादा से ज़्यादा किताबें पढ़ने की आदत को अपने अंदर शुमार करना होगा। जब तक हम शिक्षित नहीं होंगे और शिक्षा के महत्व को नहीं समझेंगे, तब तक हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी शिक्षा के लिए प्रेरित नहीं कर पाएंगे। इसीलिए ज़रूरी है कि हम शिक्षा को लेकर खुद भी जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें।

सन्दर्भ :

- [1] Boyce, E. Mary, “Organizational Learning is Essential to Achieving and Sustaining Change in Higher Education”, Innovative Higher Education, Vol. 28, No. 2, 2003, 119-136.
- [2] Ray Land, Agency, context and change in academic development, International Journal for Academic Development, 6:1, 2001. 4-20.
- [3] B. Robert Barr & John Tagg, From Teaching to Learning — A New Paradigm For Undergraduate Education, Change: The Magazine of Higher Learning, Volume 27, Issue 6, 1995, 12-26.
- [4] Barnett,R.(1992).Improving Higher Education: Total Quality Core, Buckingham: SRHE&OU.

